नया इतिहास लिखेंगे किसान : व

रोसड़ा, जाप्र : किसान देश के विकास का नया इतिहास लिखेंगे। बिहार सबसे बड़ा कृषि राज्य के रूप में उभरेगा। दुनिया लालायित नजरों से हमें देखी। यह बातें राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा के कुलपति डा. मेवालाल चौधरी ने कही। वे शुक्रवार को कलवारा में आयोजित किसान-वैज्ञानिक विचार मंच कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय कृषि अन्वेषण परियोजना के तहत चयनित प्रखंड के कलवारा व मब्बी गांव को कृषि क्षेत्र में माडल बनाने को उन्होंने कई सुझाव दिये। कुलपति ने कहा कि इसका उद्देश्य ऐसे समाज का निर्माण करना है, जिसमें किसानों

समारोह को संबोधित करते कुलपति जागरण

का अस्तित्व बरकरार रहे। इसके लिए परियोजन किसानों का चहुंमुखी विकास किया जायेगा। यह अ पर सामूहिक खेती करने से ही संभव होगा। वहीं नि डा. बीसी चौधरी ने देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली के विकास पर जोर दिया। जबकि डा. पूनम का कहना था कि जब तक खेत खलिहानों में चूड़ियों की खनक नहीं गूंजेगी तब तक कृषि विकास के लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता। इसलिए योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी 75 प्रतिशत होनी चाहिए। निदेशक प्रसार शिक्षा डा. मदन सिंह ने लक्ष्य हासिल करने के लिए इच्छा शक्ति को आवश्यक बताया। अध्यक्षता गांव के वयोवृद्ध शिक्षाविद व किसान सुदिष्ट नारायण कुंवर ने की। संचालन डा. देवेंद्र प्रसाद सिंह व स्वागत सुधीर प्रसाद ने किया। इसे चक्रधर कुंवर, कौशल प्रसाद सिंह, रामप्रकाश महतो, अनिल कुमार महतो, अशोक यादव आदि ने संबोधित किया। मौके पर क्षेत्र के किसानों ने अपनी समस्याओं को वीसी के पास रखा।